रंगनाथिट्टू: कावेरी के द्वीपों पर पक्षियों का रामसर ठिकाना

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

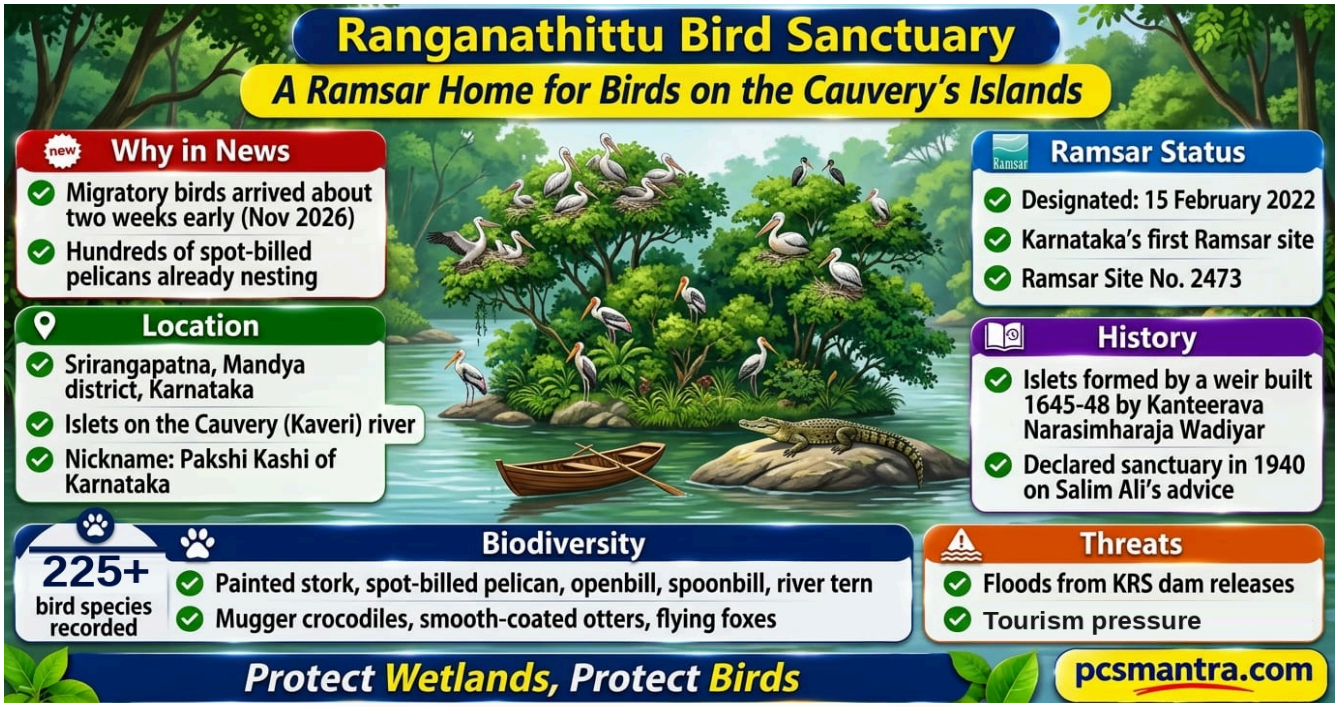

मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

समाचार-संदर्भ: रंगनाथिट्टू पक्षी अभयारण्य (रामसर स्थल संख्या 2473), मांड्या, कर्नाटक: प्रवासी पक्षियों के जल्दी आने की खबरें, 23 नवंबर 2026

खबरों में क्यों

23 नवंबर 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार रंगनाथिट्टू में प्रवासी पक्षी सामान्यतः दिसंबर के पहले सप्ताह में आते हैं, पर इस बार लगभग दो सप्ताह पहले आने लगे हैं। अभयारण्य के एक प्रकृतिवादी के अनुसार कम वर्षा और भोजन की कमी इसका कारण हो सकती है। यह प्रकृतिवादी का अनुमान है, पुष्ट वैज्ञानिक निष्कर्ष नहीं।[2]

परीक्षा के लिए असली विषय यह स्थल है: यह रामसर सम्मेलन के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि है।[1]

रामसर स्थल: तथ्य एक नज़र में

पदनाम और संख्या: रामसर स्थल संख्या 2473; पदनाम की तारीख 15 फरवरी 2022।[1]

स्थान: मांड्या ज़िला, कर्नाटक; कावेरी नदी के बीच के द्वीप और द्वीपिकाएँ। निर्देशांक 12°24'28"N, 76°40'55"E।[1]

क्षेत्रफल (सावधानी से पढ़ें): रामसर सूचना-पत्र में आधिकारिक क्षेत्रफल 517.70 हेक्टेयर है (GIS सीमाओं से गणना 515.513 हेक्टेयर)। यह पूरी आर्द्रभूमि का क्षेत्रफल है। इसे अभयारण्य के किसी छोटे भीतरी भाग या अन्य आँकड़े से न मिलाएँ।[1]

तीन भाग: (1) देवराज द्वीप समूह, 59.08 हेक्टेयर, कृष्णराज सागर बाँध से लगभग 1.60 किमी नीचे; (2) पुट्टैयनकोप्पलु द्वीप के आसपास, 202.82 हेक्टेयर, बाँध से लगभग 8.30 किमी नीचे; (3) गेंदेहोशल्ली द्वीप समूह, 255.79 हेक्टेयर, बाँध से लगभग 30 किमी नीचे।[1]

जैव-विविधता

सूची: सूचना-पत्र के अनुसार 188 पादप प्रजातियाँ, 225 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ, 69 मछली प्रजातियाँ, 13 मेंढक प्रजातियाँ और 30 तितली प्रजातियाँ।[1]

प्रजनन स्थल: लगभग 20 जलपक्षी प्रजातियों के लिए महत्वपूर्ण प्रजनन स्थल; इनमें से 17 प्रजातियाँ द्वीपों के पेड़ों पर घोंसले बनाती हैं।[1]

अन्य प्रजातियाँ: मगर (Crocodylus palustris) और स्मूद-कोटेड ऊदबिलाव (Lutrogale perspicillata) की स्वस्थ आबादी; नदी में संकटग्रस्त हंप-बैक्ड महाशीर (Tor remadevii)।[1]

1 प्रतिशत से अधिक आबादी (मानदंड 6): 2018 से 2022 की औसत जनगणना के आधार पर स्पॉट-बिल्ड पेलिकन के 1,391 पक्षी, यानी जैव-भौगोलिक आबादी का 13.91 प्रतिशत; पेंटेड स्टॉर्क के 1,568 (6.27 प्रतिशत); ब्लैक-हेडेड आइबिस के 1,572 (6.29 प्रतिशत)।[1]

रामसर मानदंड

सूचना-पत्र में मानदंड 2, 3, 4, 6, 7 और 8 का औचित्य दिया गया है: दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियाँ (2), जैव-विविधता (3), जीवन-चक्र की महत्वपूर्ण अवस्था में सहारा (4), जलपक्षियों की 1 प्रतिशत से अधिक आबादी (6), महत्वपूर्ण और प्रतिनिधि मछलियाँ (7) तथा मछलियों के अंडे देने के स्थान (8)।[1]

संरक्षण का इतिहास

सूचना-पत्र के अनुसार डॉ. सालिम अली ने 1939 में इस स्थान की ओर ध्यान खींचा। मैसूर महाराजा की सरकार ने इसे 1 जुलाई 1940 को पक्षी अभयारण्य घोषित किया और कर्नाटक सरकार ने 1 सितंबर 1998 को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत "रंगनाथिट्टू पक्षी अभयारण्य" के रूप में अधिसूचित किया।[1]

परीक्षा की दृष्टि से विश्लेषण

नदी-द्वीप पारिस्थितिकी: कावेरी के बीच के पेड़-ढके द्वीप बड़े जलपक्षियों के घोंसले का ठिकाना हैं, और आसपास का क्षेत्र सिंचित है, जहाँ धान और गन्ना बड़े पैमाने पर उगाए जाते हैं। यह निष्कर्ष स्रोत के तथ्यों पर आधारित विश्लेषण है।

- **दबाव:** सूचना-पत्र के अनुसार स्थल हर वर्ष लगभग 3.5 लाख पर्यटकों को आकर्षित करता है और आसपास सिंचित कृषि-भूमि है; पर्यटन और खेती दोनों का दबाव प्रबंधन का विषय है।
- **जलवायु:** पक्षियों के जल्दी आने जैसे संकेतों की व्याख्या के लिए दीर्घकालिक आँकड़े चाहिए।

मुख्य परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "रामसर पदनाम आर्द्रभूमि को अभेद्य सुरक्षा नहीं देता, वह बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग की ज़िम्मेदारी तय करता है।" रंगनाथिट्टू के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: रंगनाथिट्टू कावेरी पर 517.70 हेक्टेयर का रामसर स्थल है (पदनाम 15 फरवरी 2022), जो प्रजनन करने वाले जलपक्षियों के लिए प्रसिद्ध है।

मुख्य भाग में:

- **मूल्य:** मानदंड 2, 3, 4, 6, 7, 8; लगभग 20 जलपक्षी प्रजातियों का प्रजनन; मगर और ऊदबिलाव।
- **दबाव:** लगभग 3.5 लाख वार्षिक पर्यटक; आसपास सिंचित खेती; जल-स्तर में बदलाव और बाढ़।
- **प्रबंधन:** अभयारण्य संरक्षण (1998 की अधिसूचना), पर्यटन का नियमन, जल और पर्यावरणीय निगरानी।

निष्कर्ष में: रामसर पदनाम पहचान और प्रतिबद्धता देता है; टिकाऊ संरक्षण पर्यटन और खेती के दबाव के प्रभावी प्रबंधन पर निर्भर है।

प्रिलिम्स परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: रंगनाथिट्टू पक्षी अभयारण्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह कर्नाटक के मांड्या ज़िले में कावेरी नदी पर स्थित है।

2. इसे 15 फरवरी 2022 को रामसर स्थल घोषित किया गया।

3. यह कृष्णा नदी के द्वीपों पर स्थित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

- कथन 1 सही है: सूचना-पत्र के अनुसार यह मांड्या ज़िले में कावेरी के बीच के द्वीपों पर है।
- कथन 2 सही है: पदनाम की तारीख 15 फरवरी 2022 है।
- कथन 3 गलत है: नदी कावेरी है, कृष्णा नहीं।

प्रश्न 2: रंगनाथिट्टू रामसर स्थल का आधिकारिक क्षेत्रफल कितना है?

सही उत्तर चुनिए:

(a) 51.77 हेक्टेयर

(b) 5,177 हेक्टेयर

(c) 1,770 हेक्टेयर

(d) 517.70 हेक्टेयर

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (d)

- रामसर सूचना-पत्र में आधिकारिक क्षेत्रफल 517.70 हेक्टेयर दिया गया है।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:
मुख्य परीक्षा: GS-3 (पर्यावरण, संरक्षण, जैव-विविधता, आर्द्रभूमि)
प्रिलिम्स: पर्यावरण और पारिस्थितिकी; रामसर स्थल; संरक्षित क्षेत्र

स्रोत

1. रामसर सूचना-पत्र: रंगनाथिट्टू पक्षी अभयारण्य, स्थल संख्या 2473 (3 अगस्त 2022 को प्रकाशित)
2. Deccan Herald: रंगनाथिट्टू में पक्षी जल्दी आने लगे (23 नवंबर 2026), केवल समाचार-संदर्भ के लिए

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: रंगनाथिट्टू मांड्या (कर्नाटक) में कावेरी पर 517.70 हेक्टेयर का रामसर स्थल है। इसे 15 फरवरी 2022 को रामसर स्थल घोषित किया गया।

प्रश्न: रंगनाथिट्टू रामसर स्थल कहाँ है?

मांड्या ज़िला, कर्नाटक, कावेरी नदी के बीच के द्वीपों पर।

प्रश्न: इसका क्षेत्रफल कितना है?

आधिकारिक क्षेत्रफल 517.70 हेक्टेयर (GIS से गणना 515.513 हेक्टेयर)।

प्रश्न: यहाँ कौन-से रामसर मानदंड लागू हैं?

मानदंड 2, 3, 4, 6, 7 और 8, सूचना-पत्र के अनुसार।